

CBSE Class 6 Social Science Important Questions Geography Chapter 2 ग्लोब: अक्षांश एवं देशांतर

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.

विषुवत् वृत्त किसे कहते हैं?

उत्तर:

वह काल्पनिक वृत्त जो पृथ्वी को उत्तर तथा दक्षिण दो बराबर भागों में बाँटता है, विषुवत् वृत्त कहलाता है।

प्रश्न 2.

अंश को किसमें विभाजित किया जाता है?

उत्तर:

प्रत्येक अंश को मिनट में तथा मिनट को सेकेंड में विभाजित किया जाता है।

प्रश्न 3.

देशान्तर को ग्रीनिच रेखा क्यों कहते हैं?

उत्तर:

देशान्तर रेखा इंग्लैण्ड के ग्रीनविच शहर से होकर गुजरती है। इसलिए इसे ग्रीनिच रेखा कहते हैं।

प्रश्न 4.

विषुवत रेखा के उत्तर तथा दक्षिण की तरफ जाने पर अक्षांश रेखाओं की लम्बाई पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:

विषुवत रेखा के उत्तर तथा दक्षिण की तरफ जाने पर अक्षांश रेखाओं की लम्बाई कम हो जाती है।

प्रश्न 5.

कर्क एवं मकर रेखा कौनसी हैं?

उत्तर:

$23\frac{1}{2}^{\circ}$ उत्तरी अक्षांश को कर्क रेखा एवं $23\frac{1}{2}^{\circ}$ दक्षिणी अक्षांश रेखा को मकर रेखा कहा जाता है।

प्रश्न 6.

पृथ्वी 1 घण्टे में कितनी घूमती है?

उत्तर:

पृथ्वी 1 घण्टे में 15 घूमती है।

प्रश्न 7.

सूर्य की किरण को एक देशान्तर से दूसरे देशान्तर तक पहुँचने में कितना समय लगता है?

उत्तर:

4 मिनट।

प्रश्न 8.

स्थानीय समय का अनुमान किस प्रकार लगाया जा सकता है।

उत्तर:

स्थानीय समय का अनुमान सूर्य के द्वारा बनने वाली परछाई से लगाया जा सकता है, जो दोपहर में सबसे छोटी एवं सूर्योदय तथा सूर्यास्त के समय सबसे लंबी होती है।

प्रश्न 9.

पृथ्वी को कितने समय क्षेत्रों में बाँटा गया है?

उत्तर:

पृथ्वी को एक - एक घंटे वाले 24 समय क्षेत्रों में बाँटा गया है।

प्रश्न 10.

कुछ देशों में एक से अधिक मानक समय क्यों अपनाये जाते हैं?

उत्तर:

जिन देशों का देशांतरीय विस्तार अधिक होता है, वहाँ एक से अधिक मानक समय अपनाये जाते हैं।

प्रश्न 11.

रूस में कितने मानक समयों को अपनाया गया है?

उत्तर:

रूस में 11 मानक समयों को अपनाया गया है।

प्रश्न 12.

किस याम्योत्तर के स्थानीय समय को भारत का मानक समय माना जाता है?

उत्तर:

82°14' पू. याम्योत्तर के स्थानीय समय को भारत का मानक समय माना जाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.

आकार एवं प्रकार के आधार पर ग्लोब का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

आकार एवं प्रकार के आधार पर ग्लोब कई प्रकार के हो सकते हैं:

- बड़े ग्लोब, जो आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर नहीं ले जाए जा सकते।
- पॉकेट में रखने योग्य छोटे ग्लोब तथा
- गुब्बारे जैसे ग्लोब, जिनमें हवा भरी जा सकती है एवं आसानी से एक स्थान से दूसरे पर स्थान ले जाए जा सकते हैं।

प्रश्न 2.

ग्लोब क्या है? ग्लोब का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

उत्तर:

ग्लोब पृथ्वी का लघु रूप में एक वास्तविक प्रतिरूप है। ग्लोब पर देशों, महाद्वीपों तथा महासागरों को उनके सही आकार में दिखाया जाता है। ग्लोब में एक सुई झुकी हुई अवस्था में स्थित होती है, जिसे अक्ष कहा जाता है। ग्लोब पर वह सुई दो बिंदुओं से होकर गुजरती है, जो उत्तर तथा दक्षिण ध्रुव हैं। ग्लोब को इस सुई के चारों ओर पृथ्वी की भौत पश्चिम से पूर्व की ओर घुमाया जा सकता है। लेकिन पृथ्वी पर वास्तव में ऐसी कोई सुई नहीं होती है।

प्रश्न 3.

विषुवत् रेखा क्या है? इसकी स्थिति स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

विषुवत् रेखा: वह काल्पनिक रेखा जो पृथ्वी को उत्तर व दक्षिण दो बराबर भागों में बाँटती है, उसे विषुवत् रेखा या भूमध्य रेखा कहते हैं। इस रेखा के उत्तर में स्थित आधे भाग को उत्तरी गोलार्ध तथा दक्षिण वाले आधे भाग को दक्षिणी गोलार्ध कहा जाता है। ये दोनों बराबर के आधे भाग होते हैं। इस प्रकार, विषुवत् वृत्त पृथ्वी पर एक काल्पनिक वृत्त बनाती है एवं यह पृथ्वी पर विभिन्न स्थानों की स्थिति बताने का सबसे महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु है।

प्रश्न 4.

प्रत्येक अक्षांश के मान के साथ उ. (उत्तर) या द. (दक्षिण) क्यों लिखा रहता है?

उत्तर:

विषुवत् वृत्त पृथ्वी को दो समान भागों उत्तर व दक्षिण में बाँटता है। विषुवत् वृत्त के उत्तर की सभी समानांतर रेखाओं को उत्तरी अक्षांश कहा जाता है तथा विषुवत् वृत्त के दक्षिण में स्थित सभी समानांतर रेखाओं को दक्षिणी अक्षांश कहा जाता है। इसलिए प्रत्येक अक्षांश के मान के साथ उसकी दिशा यानी उत्तर या दक्षिण को भी लिखा जाता है। सामान्यतः इसे उ. या द. अक्षर से व्यक्त किया जाता है।

प्रश्न 5.

महत्वपूर्ण अक्षांश (समानांतर) रेखाओं एवं उनके अंश का उल्लेख कीजिए।

उत्तर:

महत्वपूर्ण अक्षांश (समानांतर) रेखाएँ:

1. विषुवत् रेखा (0°)
2. कर्क रेखा ($23\frac{1}{2}^\circ$ उ.)
3. मकर रेखा ($23\frac{1}{2}^\circ$ द.)
4. उत्तर ध्रुव वृत्त ($66\frac{1}{2}^\circ$ उ.)
5. दक्षिण ध्रुव वृत्त ($66\frac{1}{2}^\circ$ द.)
6. उत्तर ध्रुव (90° उ.)
7. दक्षिण ध्रुव (90° द.)।

प्रश्न 6.

महत्वपूर्ण अक्षांशों और ताप कटिबन्धों को दर्शाते - हुए एक चित्र बनाइये।

उत्तर:

महत्वपूर्ण अक्षांश और ताप कटिबन्ध:

प्रश्न 7.

भारत में $82^{\circ}30'$ पू. को मानक याम्योत्तर क्यों माना गया है?

उत्तर:

भारत एक विशाल देश है। यहाँ से अनेक याम्योत्तर गुजरती हैं। अलग - अलग याम्योत्तर पर स्थित स्थानों के स्थानीय समय में अंतर होता है।

उदाहरण के लिए भारत में अलग - अलग याम्योत्तर के अनुसार गुजरात के द्वारका तथा असम के डिब्रूगढ़ के स्थानीय समय में लगभग 1 घंटा 45 मिनट का अंतर होगा। इसलिए यह आवश्यक है कि देश के मध्य भाग से होकर गुजरने वाली किसी याम्योत्तर के स्थानीय समय को देश का मानक समय माना जाए। अतः भारत में $82^{\circ}1'$ पू. ($82^{\circ}30'$ पू.) को मानक याम्योत्तर माना गया है। इस याम्योत्तर के स्थानीय समय को भारतीय मानक समय माना जाता है।

